

प्रेषक
नृप सिंह नपतप्याल
पुनर्गठन आयुक्त
उत्तरांचल शारान
लखनऊ

सेवा में
समस्त प्रमुख सचिव/सचिव
उत्तरांचल शारान
सचिवालय
देहरादून

लखनऊ दिनांक 05 मई 2001

विषय: राज्य सेवा संघों के अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यभार करने की प्रक्रिया
व्यवस्था।

साहोदय,

आप अवगत हैं कि विभिन्न राज्य सेवा संघों के अधिकारियों व कर्मचारियों को उत्तरांचली राज्यों के मध्य साम्याक आवंटन हेतु केन्द्र सरकार द्वारा राज्य परामर्शीय मण्डल गठन श्री जी एन मेहरा की अध्यक्षता में की गयी है। सगति की प्रथम बैठक दिनांक 04.2001 को नई दिल्ली में हुई थी।

2. आभारत सरकार के द्वारा जारी किये गये मार्गदर्शी निर्देशों के अन्तर्गत उत्तरांचल निम्नलिखित सेवा संघों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्तरांचल राज्य के लिए आवंटित किया जायेगा।

- 1- राज्य के सभी जो ऐसे संघों से हैं जिनके नियुक्ति प्राधिकारी उत्तरांचल के 13 जिलों में से कोई जिला स्तरीय अधिकारी हैं।
- 2- राज्य के सभी जो ऐसे संघों से हैं जिनके नियुक्ति प्राधिकारी कुमाऊँ अथवा गढ़वाल जिले के गण्डक के गण्डक स्तरीय अधिकारी हैं।
- 3- ऐसे सभी जो ऐसे परियोजना/संस्थान संघों से सम्बन्ध रखते हैं जिनका क्षेत्र पूर्ण रूप से उत्तरांचल राज्य के भीतर है।
- 4- पर्यटन संघों के अधिकारी एवं कर्मचारी।

3. उक्त से स्पष्ट होगा कि उपरोक्त चारों श्रेणी के कर्मियों को उत्तरांचल के लिये ही आवंटित माना जायेगा तथा उत्तर प्रदेश के लिये कार्यमुक्त नहीं जाना है ।

4. अतः केवल निम्न श्रेणी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ही निम्नलिखित प्रावधानों एवं व्यवस्था के अनुसार कार्यमुक्त किया जायेगा —

(क) वे सार्वजनिक कर्मी जो किसी स्थानीय अथवा पर्वतीय उपराज्य के सदस्य नहीं हैं जिन्होंने उत्तरांचल राज्य में आवंटन के लिये विकल्प नहीं दिया है । इस प्रकार वे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हैं जो ग्राम, तहसील, जिला, मण्डल तथा पर्वतीय उपराज्य के सदस्य नहीं हैं तथा जिनकी सेवायें सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश स्थानान्तरणीय हैं तथा जिनकी संयुक्त वरिष्ठता सूची राज्य स्तर पर निर्धारित जाती है और जिनके द्वारा उत्तरांचल राज्य में आवंटन हेतु विकल्प नहीं दिया गया है ।

(ख) उत्तरांचल में स्थित स्थानीय परियोजना में दीगता ऐसे कर्मी जो परियोजना-राज्य के सदस्य नहीं हैं वरन् राज्य सेवा राज्य से हैं तथा जिनकी सेवायें सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में स्थानान्तरणीय हैं तथा जिनकी संयुक्त वरिष्ठता सूची राज्य स्तर पर निर्धारित की जाती है ।

5. उत्तरांचल के सार्वजनिक विभागों के द्वारा ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चिह्नित करके उनकी सम्पूर्ण पृष्ठभूमि सूची संलग्न प्रारूप में सार्वजनिक स्थापित करके अपने प्रशासकीय विभाग को प्रेषित की जायेगी । राज्य प्रशासकीय विभाग के द्वारा उक्त सूची का परीक्षण करने के उपरान्त पूर्ण आयुक्त, उत्तरांचल, लखनऊ को इस संसुति के साथ प्रेषित की जायेगी कि वे सम्बन्धित कर्मियों को राज्य परामर्शीय समिति के द्वारा उत्तरांचल राज्य में कार्यमुक्त करने हेतु निर्देशित किया जाय । पुनर्गठन आयोग उत्तरांचल के द्वारा सदस्य-सचिव, राज्य परामर्शीय समिति, जिन्हें समिति उत्तरांचल एवं उत्तर प्रदेश में दीगता कर्मियों की अनुमति करने हेतु अधिकृत किया गया है, को सूची प्रस्तुत करके अनुमति करने का अनुरोध किया जायेगा । सदस्य-सचिव राज्य परामर्शीय समिति के द्वारा पुनर्गठन आयोग को सूची प्रस्तुत करके कार्यमुक्त करने हेतु सम्बन्धित निर्देश समिति की ओर से जारी निम्नलिखित पुनर्गठन आयोग के माध्यम से उत्तरांचल के विभागों को अनुमति करने प्रेषित किये जायेगे ।

6. उत्तरांचल के सार्वजनिक विभागों के द्वारा राज्य परामर्शीय समिति के निर्देशानुसार सूची के कर्मियों को उत्तर प्रदेश के लिये विधिवत कार्यमुक्त किया जायेगा कार्यमुक्त करने के आदेश की प्रति उत्तर प्रदेश के सम्बन्धित प्रशासकीय सदस्य-सचिव राज्य परामर्शीय समिति एवं पुनर्गठन आयोग को प्रेषित की जायेगी ।

7. उत्तरांचल के लिये विकल्प देने वाले विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों को भी कार्यमुक्त करने से पूर्व सदस्य-सचिव राज्य परामर्शीय समिति एवं पुनर्गठन आयोग को सूची प्रस्तुत करके अनुमति करने का अनुरोध किया जायेगा । सदस्य-सचिव राज्य परामर्शीय समिति के द्वारा पुनर्गठन आयोग को सूची प्रस्तुत करके कार्यमुक्त करने हेतु सम्बन्धित निर्देश समिति की ओर से जारी निम्नलिखित पुनर्गठन आयोग के माध्यम से उत्तरांचल के विभागों को अनुमति करने प्रेषित किये जायेगे ।

उत्तर प्रदेश के सम्बन्धित प्रशासनिक-विभाग के द्वारा कार्यगुप्त करने के आदेश जारी किये जायेंगे ।

8. अतः कृपया उत्तरांचल से उत्तर प्रदेश के लिये विकल्प देने वाले उपरोक्त श्रेणी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यगुप्त करने से पूर्व उचित प्रक्रिया एवं व्यवस्था के अनुरूप पुनर्गठन आगुस्त, उत्तरांचल को प्रमाणित संवर्गवार सूची सहित संबंधित प्रेषित करने का कष्ट करें ताकि तदनुसार कर्मियों को कार्यगुप्त करने हेतु समिति से आदेश पारित कराये जा सकें ।
9. यह परिपत्र सदस्य-सचिव, राज्य परामर्शीय समिति की सहमति से जारी किया जा रहा है ।

भवदीय,

(नृप-सिंह नपलमान)
पुनर्गठन आगुस्त, उत्तरांचल

संलग्नक: उपरोक्तानुसार ।

संख्या: (27) १०आ०३०/स.प्र.रा./२००१ तददिनांक ।

प्रतिलिपि—

- 1- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को अवलोकनार्थ प्रेषित ।
- 2- सचिव, कार्मिक एवं सामान्य प्रशासन उत्तरांचल शासन देहरादून को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु ।
- 3- सदस्य-सचिव राज्य परामर्शीय समिति उत्तर प्रदेश/उत्तरांचल विकास गठन समिति संखनऊ को सूचनाार्थ ।
- 4- सचिव, उत्तरांचल सामन्वय विभाग, ३०५० शासन सचिवालय संखनऊ को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

(नृप-सिंह नपलमान)

शिक्षण के आधार पर अतिरिक्त रूप से उत्तर प्रदेश को आवंटित किये गये/मिले जाने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची

(कार्यगुप्त किये जाने हेतु प्रस्ताव)

विभाग
विभागाध्यक्ष

संलग्न

क्रम सं०	कार्मिक का नाम	पदनाम/ग्रेड	वेतनमान
1	2	3	4

प्रमाणक:-

प्रमाणित किया जाता है कि सूची के उक्त कर्मी स्थानीय/पर्वतीय उप राक्षस के सम्पन्न नहीं हैं तथा इनकी सेवाएँ सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में स्थानान्तरणीय हैं एवं इन्होंने उत्तर प्रदेश के लिये शिक्षण नहीं दिया है।

हस्ताक्षर
विभागाध्यक्ष
दिनांक

हस्ताक्षर
प्रमुख सचिव/संयोजक
दिनांक

05050/002-Pd2